

01 अगस्त, 2025
श्रावण, शुक्रवार, अस्टमी
संवत् 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

मालेगांव ब्लास्ट :
साधी प्रज्ञा, कर्नल
पुरोहित समेत सभी
सात आरोपी बरी

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



रांची

शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 282



सत्यमेव जयते



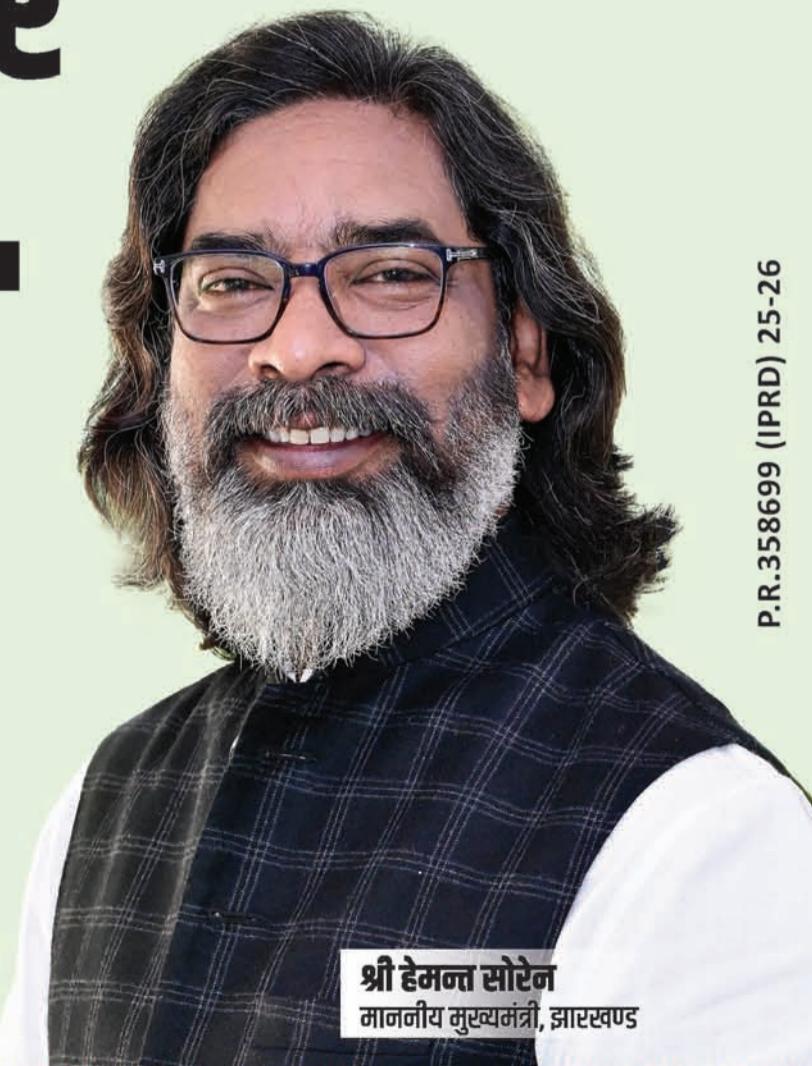
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में
अभिनंदन और
जोहाई

दिनांक: 31 जुलाई और 1 अगस्त 2025



श्री संबित कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड



श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

01 अगस्त, 2025
श्रावण, शुक्रवार, अष्टमी
संवत् 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

ट्रंप ने इंडिया को
डॉकोनॉमी
बताया

रांची

शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 282

आजाद सिपाही



अच्छा इंसान बनना सबसे बड़ी बात: राष्ट्रपति

- एस्स देवघर के दीक्षांत समारोह ने राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू के उद्घाटन कहा है कि एस्स में प्रवेश पाना और यहां शिक्षा प्राप्त करना इस बात की गारंटी मानी जाती है कि आप एक कुशल डॉक्टर बन गये हैं। आपको एक कुशल डॉक्टर के साथ-साथ एक अच्छा डॉक्टर भी बनना है। एक अच्छे डॉक्टर ने बेहतरीन विकासिकल समझ के साथ-साथ संवेदनशील संवाद की क्षमता भी होनी चाहिए। हम सबने देखा है कि कुछ डॉक्टर ऐसे होते हैं, जिनसे परामर्श के बाद मरीज और उनके परिवर्जन बेहतर महसूस करते हैं। आप डॉक्टरोंसि स्थान से जुड़े हैं। अपने व्यवहार में कलीनिकल मत रखते हैं। अपने व्यवहार में सहानुभूतिपूर्ण (सिपोथेटिक) रहते हैं। भगवान ने आपको जनसेवा के लिए भेजा है। राष्ट्रपति गुरुवार को देवघर एस्स के प्रथम दीक्षांत समारोह में बोल ने कहा कि एक अच्छा

देवघर। राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने कहा है कि एस्स में प्रवेश पाना और यहां शिक्षा प्राप्त करना इस बात की गारंटी मानी जाती है कि आप एक कुशल डॉक्टर बन गये हैं। आपको एक कुशल डॉक्टर के साथ-साथ एक अच्छा डॉक्टर भी बनना है। एक अच्छे डॉक्टर ने बेहतरीन विकासिकल समझ के साथ-साथ संवेदनशील संवाद की क्षमता भी होनी चाहिए। हम सबने देखा है कि कुछ डॉक्टर ऐसे होते हैं, जिनसे परामर्श के बाद मरीज और उनके परिवर्जन बेहतर महसूस करते हैं। आप डॉक्टरोंसि स्थान से जुड़े हैं। अपने व्यवहार में कलीनिकल मत रखते हैं। अपने व्यवहार में सहानुभूतिपूर्ण (सिपोथेटिक) रहते हैं। भगवान ने आपको जनसेवा के लिए भेजा है। राष्ट्रपति गुरुवार को देवघर एस्स के प्रथम दीक्षांत समारोह में बोल ने कहा कि एक अच्छा



डॉक्टर होना बहुत बड़ी बात होती है। उससे भी बड़ी बात होती है।

एस्स, देवघर को मिली है विशेष मान्यता

जनजातीय आबादी वाले झारखंड राज्य में आप सबके सामने सेवा प्रदान करने के बहुत से अवसर हैं। एस्स, देवघर को सेंटर ऑफ कंपीटेंस फॉर ड्राइवल हेल्प के रूप में मान्यता दी गयी है। इस संस्थान के फैकल्टी में बैर जनजातीय समूदाय से जुड़े स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं में सक्रिय रहे। दुर्गम जनजातीय सकते हैं। आप समाज निर्माण में भी अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

क्षेत्र में सांप के जहर की दवा, वैक्सीन, झरजोंसी मेडिसीन को झाँक के माध्यम से पहुंचाने की व्यवस्था की गयी है। इसकी सराहना करती है। राष्ट्रपति ने एस्स देवघर के प्रबन्धन और डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सभी मिलकर स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं के लिए एक संस्थान की सुची बनायें।

लेकिन मैं चाहती हूं कि आप प्राइमरी हेल्प के बीच के क्षेत्र में भी भा गाइडेंस दें। मैं इस बात के लिए धन्यवाद देती हूं कि इस संस्थान में पांच ड्राइवल गांव को गोद लिया है। ये रहे मौजूद: दीक्षांत समारोह विकास के साथ-साथ भगवान ने बेहतरीन विकासिकल समझ के साथ-साथ संवेदनशील संवाद की क्षमता भी होनी चाहिए। हम सबने देखा है कि कुछ डॉक्टर ऐसे होते हैं, जिनसे परामर्श के बाद मरीज और उनके परिवर्जन बेहतर महसूस करते हैं। आप डॉक्टरोंसि स्थान से जुड़े हैं। अपने व्यवहार में कलीनिकल मत रखते हैं। अपने व्यवहार में सहानुभूतिपूर्ण (सिपोथेटिक) रहते हैं। भगवान ने आपको जनसेवा के लिए भेजा है। राष्ट्रपति गुरुवार को देवघर एस्स के प्रथम दीक्षांत समारोह में बोल ने कहा कि एक अच्छा

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र आज से



विधानसभा के मानसून सत्र में होनी सार्थक बहस : हेंगत सोरेन

विधानसभा के मानसून सत्र में होनी सार्थक बहस : हेंगत सोरेन

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेंगत सोरेन ने कहा कि भीषण वारिश के बीच झारखंड का मानसून सत्र आहूत हुआ है। उम्मीद है कि मानसून सत्र सुचारू रूप से चलेगा और सदन में सार्क बहस होगी। मुख्यमंत्री गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष के साथ हुई बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में काफी वारिश हुई है। राज्य के सभी विधानसभा के सदस्यों को भी अतिवृद्धि के बारे में मालूम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संवेदनशील है। राज्य की जनवार के प्रति जवाबदेह है। शहर के लोग हाँ या गांव के, सबकी उम्मीदों पर खरा उतरने के सरकार कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष भी सरकार को सहयोग करेगा।

श्रीमान योजना की खासियां और बोरोजारी जैसे मुद्रों पर सरकार को धेराएं की रणनीति बना चुका है। वहीं, सरकार भी अपने मत्रालयों को उपलब्धियों और तथ्यों के जवाब देने की तैयारी ने जुटी है। कुल मिलाकर सत्र होने के आसार है।

राज्य में अतिवृद्धि पर विषय चर्चा होगी: विधानसभा अध्यक्ष के साथ विधायक दल के नेताओं की हुई बैठक में राज्य में अतिवृद्धि पर विशेष चर्चा करने की बात सामने आयी। इस विषय पर 6 अगस्त को राज्य में अतिवृद्धि के कारण जन-जीवन पर प्रभाव पड़ने को लेकर विशेष चर्चा होगी। इसकी संपुष्टि शुक्रवार को कार्यमंत्री समिति में ली जायेगी। सत्र के पहले दिन शुक्रवार को राज्यपाल की सहमति प्राप्त विधेयकों को सदन के पटल पर रखने और दिवंगत विभूतियों को



माँ बनना

वरदान है

और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का भी साथ है

पहला बच्चा होने पर
₹5000

दूसरा बच्चा लड़की होने पर
₹6000

अब तक 4+ करोड़ लाभार्थी माताओं को DBT के माध्यम से ₹19,000 करोड़ से अधिक की सीधी सहायता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ लेने के लिए अपने नजदीकी अँगनवाड़ी कार्यकर्ता या आशा दीदी से संपर्क करें

